समाचार पत्र

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

(बायोटेक्नोंलॉजी विभाग, भारत सरकार)

अंक – 11
वर्ष - 2021
(अक्टूबर - दिसंबर)

समाचार पत्र के इस अंक में -

- कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ
- सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां
- पीएच.डी. डिग्री अवार्ड
- विज्ञान संचार एवं आउटरीच

संपर्क करें:
श्री रत्नेश्वर ठाकुर (संपादक)
ई-मेल: social@nipgr.ac.in,
टेलीफ़ोन नं. 011-26735251 (एक्सटेंशन: 251)

@NIPGR
@NIPGRsocial
www.nipgr.ac.in

समाचार पत्र
राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

फैसिलिटी लॉन्च

माननीय डॉ. जितेंद्र सिंह, ने स्पीड ब्रीडिंग और हाई थ्रूपुट (एचटीपी) फील्ड फेनोटाइपिंग के लिए पहला ट्रांसलेशनल फैसिलिटी नेटवर्क लॉन्च किया और डीबीटी-एनआईपीजीआर में "इंडियन राइस पैनएरे (इंडआरए) और इंडियन चिकपी पैनएरे (इंडिका)" जारी किया।

हिंदी कार्यशाला

दिसंबर 21, 2021 को डॉ. पवन कौंडल, सहायक संपादक, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली, द्वारा 'राजभाषा हिंदी और तकनीकी आयाम' विषय पर ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

स्वाती पोर्टल

विज्ञान में सभी भारतीय महिलाओं को समर्पित "स्वाती" (साइंस फॉर वीमेन: ए टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन) पोर्टल का उद्‌घाटन अक्टूबर 25, 2021 को एनआईपीजीआर में डॉ. रेणु स्वरूप, सचिव डीबीटी और सचिव डीएसटी द्वारा किया गया। इस पोर्टल का उद्देश्य आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में, भारतीय स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष को चिह्नित करते हुए, विज्ञान में भारतीय महिलाओं और लड़कियों की विशेषज्ञता और योगदान को देखने के लिए एक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करना है।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

डॉ. जितेंद्र गिरि (वैज्ञानिक, डीबीटी-एनआईपीजीआर) को वर्ष 2021 के लिए राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (एनएएसआई) के फेलो के रूप में चयनित किया गया है।

डॉ. मनोज प्रसाद ने इंडियन बॉटनिकल सोसाइटी (आईबीएस), लखनऊ से 'बीरबल साहनी मेडल 2021' प्राप्त किया। यह पुरस्कार फॉक्सटेल मिलेट और टमाटर के आणविक आनुवंशिकी, जीनोमिक्स, और तनाव जीव विज्ञान के लिए डॉ. प्रसाद के मौलिक योगदान की मान्यता में प्रदान किया गया है।

डॉ. स्वरूप के. परिदा ने भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली से फसल विज्ञान के क्षेत्र में द्विवार्षिक 2018-2019 के लिए चौथा डॉ. पी.एन. बहल पुरस्कार प्राप्त किया ।

डॉ. स्वरूप के. परिदा जटिल कृषि संबंधी लक्षणों के आनुवंशिक विच्छेदन और चावल और चना के त्वरित फसल सुधार के लिए अगली पीढ़ी के आणविक प्रजनन की दिशा में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए आईएनएसए के एक फेलो के रूप में चुने गए।

एनआईपीजीआर पुरस्कार

हिंदी दिवस/ पखवाड़ा 2021, के अवसर पर सितम्बर 14, 2021 को आयोजित निबंध प्रतियोगिता में श्री समर सिंह ने प्रथम तथा डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया । काव्यपाठ प्रतियोगिता में श्री पुष्पेन्द्र कुमार मिश्र ने प्रथम तथा सुश्री प्राक्षी अनेजा ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया ।

पीएच. डी. डिग्री अवार्ड

1. सुश्री दीपिका मित्तल (पीएच.डी. छात्रा) को "इन्वेस्टीगेटिंग कैल्शियम रेगुलेटेड प्लांट सिगनलिंग अपॉन जस्मोनेट परसेप्शन एंड हेर्बिवोरी इन अरबिडोप्सिस थालीआना" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से दिसंबर 28, 2021 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ ज्योतिलक्ष्मी वडासरे (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
2. श्री आशीष प्रसाद (पीएच.डी. छात्र) को "रोल ऑफ़ नॉन -कोडिंग RNAs फॉर टोमेटो लीफ कर्ल न्यू दिल्ली वायरस (ToLCNDV) टॉलरेंस इन टोमेटो (सोलानम ल्कोपेर्सिकम L.)" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से दिसंबर 08, 2021 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ मनोज प्रसाद (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
3. श्री प्रदीप कुमार पाठक (पीएच.डी. छात्र) को "द रोल ऑफ़ हायपोक्सिया इंड्यूस्ड नाइट्रिक ऑक्साइड ऑन प्रोटेक्शन ऑफ़ प्लांट्स अगेंस्ट पेथोजिन अटैक" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से नवम्बर 17, 2021 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ जगदीस गुप्ता कापुगंती (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
4. श्री लोकेश वर्मा (पीएच.डी. छात्र) को "ऍन इन्वेस्टीगेशन ऑन रोल्स ऑफ़ फॉस्फेट स्टारवेशन रेस्पोंस (पीएसआर) जीन पोटेंशिअली एसोसिएटेड विद मेम्ब्रेन लिपिड रेमोदेलिंग इन राइस" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से नवम्बर 08, 2021 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ जितेंदर गिरी (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।

विज्ञान संचार एवं आउटरीच

विज्ञान सेतु वेबिनार

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, इस अवसर पर डीबीटी-एनआईपीजीआर द्वारा विज्ञान सेतु वेबिनार श्रृंखला 2021-22 का आयोजन किया। इसके तहत वैज्ञानिकों ने जुलाई से सितंबर 2021 के दौरान निम्नलिखित व्याख्यान दिया।

1. डॉ. नवीन सी. बिष्ट (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) ने 24 दिसंबर, 2021 को "प्लांट सेकेंडरी मेटाबोलिज्म इन द मॉडर्न एरा" पर व्याख्यान दिया।
2. डॉ. जितेंद्र गिरि (वैज्ञानिक) ने 10 दिसंबर 2021 को " टार्गेटिंग रूट्स फॉर फ्यूचर एग्रीकल्चर" पर व्याख्यान दिया।
3. डॉ मनोज माजी (वैज्ञानिक) ने 26 नवंबर 2021 को " हाउ डोज़ सीड स्टे अलाइव फॉर प्रोलोंग पीरियड ऑफ़ टाइम ? " पर व्याख्यान दिया ।
4. डॉ. जगदीस गुप्ता कापुगंती (वैज्ञानिक) ने 12 नवंबर 2021 को "नाइट्रिक ऑक्साइड: मल्टी फेसटेड एंड फस्सिनेटिंग सिग्नलिंग मॉलिक्यूल इन प्लांट्स" पर व्याख्यान दिया।
5. डॉ. आशुतोष पांडे (वैज्ञानिक) ने 22 अक्टूबर, 2021 को "डिजाइनिंग वैल्यू -एडेड फ़ूड क्रोप्स फॉर बेटर हेल्थ एंड नुट्रिशन" पर एक व्याख्यान दिया है।
6. डॉ आशीष रंजन (वैज्ञानिक) ने 11 अक्टूबर 2021 को " जीनोमिक्स अप्प्रोअचेस टू इन्वेस्टिगेट प्लांट स्ट्रक्चर एंड फंक्शन" पर व्याख्यान दिया ।

आईआईएसएफ 2021

एनआईपीजीआर ने 10-13 दिसंबर 2021 के दौरान पणजी में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (IISF), गोवा में अपने शोध का प्रदर्शन किया।